पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल से महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी की नैक टीम ने नैक में 'बी प्लस प्लस' ग्रेडिंग प्राप्त करने पर मुलाकात की

विश्वविद्यालय के कुलपति तथा पूरी टीम ने नैक की तैयारी के दौरान के अपने अनुभवों को राज्यपाल के साथ साझा किया

प्रदेश के विश्वविद्यालय अब नैक, वर्ल्ड रैंकिंग और क्यू0एस0 एशिया रैंकिंग में अपनी जगह बना रहे हैं, जो कठिन परिश्रम और प्रतिबद्धता का परिणाम है

ट्रांसजेंडर समुदाय से संपर्क कर उन्हें शिक्षा से जोड़ने का प्रयास करे विश्वविद्यालय

विद्यार्थियों को सामाजिक मूल्यों से जोड़ें विश्वविद्यालय

आने वाली पीढ़ी को 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए तैयार करें विश्वविद्यालय

समय पर अपनी कक्षाएं लें और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें अध्यापक

जब हम कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करते हैं, तो सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलते हैं

जाति–पात से ऊपर उठकर सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करें और उन्हें आगे बढ़ाने में योगदान दें अध्यापक

शिक्षा के माध्यम से ही समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है, और यह विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

–राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल जी की प्रेरणा, मार्गदर्शन तथा नियमित समीक्षा बैठकों से ही विश्वविद्यालय को यह सम्मान प्राप्त हुआ है

कुलपति, प्रो0 आनन्द कुमार त्यागी

लखनऊः 17 फरवरी, 2025

प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल से आज महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी की नैक टीम ने प्रज्ञा कक्षा में भेंट की। यह मुलाकात विश्वविद्यालय द्वारा नेशनल असेसमेंट एंड

एक्रेडिटेशन काउंसिल (नैक) में 'बी प्लस प्लस' ग्रेडिंग प्राप्त करने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आनंद कुमार त्यागी तथा पूरी टीम ने नैक की तैयारी के दौरान के अपने अनुभवों को राज्यपाल जी के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के दौरान उन्होंने किस तरह की शैक्षणिक और पारिवारिक चुनौतियों का सामना किया तथा इनका समाधान निकालते हुए विश्वविद्यालय को 'बी प्लस प्लस' ग्रेडिंग तक पहुंचाया।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि यह सामूहिक प्रयास, समर्पण और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से अपेक्षा की कि वे इसी प्रकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत रहें और उच्च ग्रेडिंग प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ें। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के हित में कार्य करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने विश्वविद्यालय की टीम को निर्देश दिया कि वे ट्रांसजेंडर समुदाय से संपर्क करें और उन्हें शिक्षा से जोड़ने का प्रयास करें। राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार करे, ताकि किए गए कार्यों की नियमित समीक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को वृद्धाश्रमों से जोड़े, जिससे उनमें अपने माता–पिता की सेवा करने और उन्हें अकेला न छोड़ने की भावना विकसित हो। यह नैतिक जिम्मेदारी विश्वविद्यालयों की भी है कि वे विद्यार्थियों को सामाजिक मूल्यों से जोड़ें।

राज्यपाल जी ने अध्यापकों को निर्देश दिया कि वे समय पर अपनी कक्षाएं लें और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने विश्वविद्यालय को एन0आई0आर0एफ0 और वर्ल्ड रैंकिंग की तैयारी करने का भी निर्देश दिया, ताकि वैश्विक स्तर पर संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़े। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की टीम में मजबूत टीम भावना और आपसी सामंजस्य का विकास हुआ है, जो आगे भी बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब हम कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करते हैं, तो सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलते हैं। उन्होंने अपने गुजरात के अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार गुजरात में उच्च शिक्षा को नई दिशा दी गई थी और वहां किए गए सुधारों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय को समय पर परीक्षाएं आयोजित करने, समय पर परिणाम घोषित करने और समय पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि शैक्षणिक सत्र बाधित न हो। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है, और यह विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हर बच्चे में कोई न कोई विशेष गुण होता है, और शिक्षक का कार्य है कि वे उनके गुणों को पहचानकर सही मार्गदर्शन प्रदान करें। उन्होंने 'भिक्षा से शिक्षा' कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि राजभवन की पहल से वंचित बच्चों को मुख्यधारा में लाया गया है, जिससे वे आगे बढ़कर गणतंत्र दिवस परेड में भी भाग ले रहे हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

राज्यपाल जी ने शिक्षकों से विद्यार्थियों के साथ संवाद बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि विद्यार्थी बिना झिझक अपनी समस्याएं साझा कर सकें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालय अब नैक, वर्ल्ड रैंकिंग और क्यू0एस0 एशिया रैंकिंग में अपनी जगह बना रहे हैं, जो कठिन परिश्रम और प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यदि कमिटमेंट और टीमवर्क के साथ कार्य किया जाए, तो निश्चित रूप से शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार होगा। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे जाति–पात से ऊपर उठकर सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करें और उन्हें आगे बढ़ाने में योगदान दें।

राज्यपाल जी ने काशी की सांस्कृतिक और शैक्षिक महत्ता पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि काशी भारत की परंपरा, संस्कृति और ज्ञान का केंद्र है और विश्वविद्यालय को उसी दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम स्वयं अच्छा कार्य करेंगे, तभी दूसरों को भी प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों को रुकना नहीं चाहिए, निरंतर प्रयास करना चाहिए, और आने वाली पीढ़ी को "विकसित भारत" के निर्माण के लिए तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए शिक्षा और नवाचार का बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी की नैक टीम ने राज्यपाल जी को बताया कि इससे पहले विश्वविद्यालय को सी ग्रेड प्राप्त था, लेकिन समर्पित प्रयासों और सकारात्मक बदलावों के कारण अब यह 'बी प्लस प्लस' ग्रेडिंग प्राप्त करने में सफल हुआ है। उन्होंने बताया कि ग्रेडिंग मिलने पर विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों और विद्यार्थियों के आत्म–सम्मान में वृद्धि हुई है तथा टीमवर्क की भावना मजबूत हुई है। विश्वविद्यालय

का 'डेटा संग्रहण तंत्र' अधिक प्रभावी हुआ है और तकनीकी उन्नयन हुआ है। सामाजिक सहभागिता बढ़ी है, विश्वविद्यालय के भौतिक ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, जिससे शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाएं बेहतर हुई हैं। नैक की तैयारियों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की वजह से उनको भी सीखने अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय का फीडबैक सिस्टम अधिक प्रभावी और पारदर्शी हुआ है।

टीम ने इस उपलब्धि के लिए राज्यपाल जी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि उनके मार्गदर्शन, नियमित समीक्षा बैठकों, विश्वविद्यालय भ्रमण और क्राइटेरिया–वाइज टीम निर्माण के निर्देश से उन्हें अपने एक्रेडिटेशन सिस्टम को मजबूत करने में सहायता मिली। कुलाधिपति जी के विश्वविद्यालय भ्रमण के बाद शिक्षकों और विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और जोश का संचार हुआ, जिससे सभी ने मिलकर इस लक्ष्य को हासिल किया। राज्यपाल जी के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय को नैक मंथन की विशेष ट्रेनिंग दी गई, जिससे बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाने में मदद मिली।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल जी की छोटी–छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देने की रणनीति और निरंतर मार्गदर्शन ही इस सफलता का आधार बना। विश्वविद्यालय टीम ने इस उपलब्धि को राज्यपाल जी को समर्पित करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा और सक्रिय समीक्षा बैठकों की बदौलत ही विश्वविद्यालय को यह सम्मान प्राप्त हुआ है।

टीम ने कुलाधिपति जी को विश्वविद्यालय में प्रारंभ किए गए संगीत चिकित्सा (म्यूजिक थैरेपी) में पी0जी0 डिप्लोमा (हाइब्रिड मोड) के विषय में जानकारी दी। यह सरकारी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित देश का पहला कार्यक्रम है, जो शैक्षणिक सत्र 2024–25 से प्रारंभ किया गया है। विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश सरकार की सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत 'म्यूजिक थैरेपी लैब/सेल एवं रिसर्च सेंटर' स्थापित करने की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

टीम ने बताया कि इस कोर्स में चिकित्सक, प्राध्यापक, संगीतज्ञ, संगीत निर्देशक एवं शिक्षक जैसे विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों ने पंजाब से केरल और ऑस्ट्रेलिया तक से नामांकन लिया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय द्वारा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में संगीत चिकित्सा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकारी मानसिक अस्पताल, वाराणसी के रोगियों को साप्ताहिक रूप से संगीत चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने की पहल की गई है, जिसके लिए समन्वयक डॉ. दुर्गेश कुमार उपाध्याय को कुलपति द्वारा नामित किया गया है। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए निर्देश दिया कि

सरकारी मानसिक अस्पताल, वाराणसी के साथ एक एम0ओ0यू0 किया जाए, जिससे इस सेवा को संस्थागत रूप दिया जा सके।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आनन्द कुमार त्यागी, नैक मूल्यांकन टीम के सदस्यगण एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

————————

संपर्क सूत्र :
डॉ0 संगीता चौधरी,
सूचना अधिकारी, राजभवन
मो0: 9161668080